चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 23.9.2020....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3.8.....

# सर्वे : कोरोना ने बदल दिया आम आदमी के खानपान का तरीका

जागरण संवाददाता, हिसार: कोरोना संकट से विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में यह बात निकलकर सामने आई है। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए, जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया, जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। अधिकतर लोग बाजार की चीजों के बजाय घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। सर्वे महाविद्यालय की डीन डा. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डा. संगीता सिंघु की देखरेख में किया गया।

### तत्कालिक मुद्दों पर खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डा. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में बदलाव के बाद जागरूक करना है।

### फल-सब्जियों के सेवन में पाई गई अधिकता

डा. उर्वशी नांदल एवं डा. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। उन्होंने बताया कि कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

### समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे : प्रोफेसर समर सिंह

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: हरि. भूमि

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या 12 कॉलम 5-8

# कोरोना ने बदल दिया खानपान का तरीका

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता ने किया।

## सर्वे जागरुकता लाने में मददगार

समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण करवाए जाते हैं। ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाते हैं।

**प्रो. समर सिंह, कुलपति, हकृवि**

## गुगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे प्राथमिकता

डॉ. उर्वशी नांदल

डॉ. मंजू गुप्ता

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गुगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरूष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया।

## तात्कालिक मुद्दों पर होता है खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर नहीं पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 23.9.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-5.....

# ऑनलाइन सर्वे : कोरोना ने बदल दिया लोगों के खानपान का तरीका

हिसार, 22 सितम्बर (ब्यूरो): कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है।

इसके चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया।

इसको खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

## तत्कालिक मुद्दों पर होता है खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसी आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

## समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यपकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

## गूगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे प्राथमिकता

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इसमें कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरूष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया, जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन से परहेज किया गया। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन-टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 23.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-4.....

# कोरोना ने बदला लोगों का खानपान का तरीका

**अमर उजाला ब्यूरो**

**हिसार।** इस कोरोना संकट में लोगों के खानपान की शैली में भी काफी बदलाव आया है। यह जानकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गृह विज्ञान महाविद्यालय की तरफ से कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता ने किया। इस सर्वे का मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

**गूगल फार्म से किया सर्वे :** इस सर्वे में कुल 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल हुईं। सर्वे में 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध और नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। लोगों ने खरीदारी के बाद खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणु रहित भी किया। कोरोना को रोकने के लिए फल-सब्जियां, खट्टे फल, लहसुन, अदरक, हल्दी व नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय। (फाइल फोटो)

**एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे**

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... सिटी पल्स .....

दिनांक 22.9.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

# कोविड के चलते जीवनशैली में आया बदलाव: डॉ. संगीता सिंधू

### चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला छाबड़ा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का फाइल फोटो।

डॉ. उर्वशी नांदल का फाइल फोटो।

डॉ. मंजू गुप्ता का फाइल फोटो।

**तत्कालिक मुद्दों पर होता है खास ध्यान**

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

**गूगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे प्राथमिकता**

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरूष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दुध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसुन, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

### समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे : समर सिंह

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सलाह दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 22.9.2020.पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

# कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 सितम्बर : कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला छांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गुगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरूष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

## समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे : प्रोफेसर समर सिंह

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नित्य शक्ति टाइम्स......

दिनांक 22.9.2020 पृष्ठ संख्या......–......कॉलम......–......

# कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

22

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

### तत्कालिक मुद्दों पर होता है खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

### समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे : वीसी

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक



सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

### गुगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे प्राथमिकता

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गुगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें





313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसुन, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 22.9.2020...पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

# कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

**पल पल न्यूज: हिसार, 22** सितम्बर। कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े।

इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यपकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
### लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ हिसार टुडे ........

दिनांक 23.9.2020 ...पृष्ठ संख्या....... – .......कॉलम....... – .......

# कोरोना ने बदल दिया खानपान का तरीका

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

टुडे न्यूज़ | हिसार

कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

डॉ. मंजू गुप्ता

डॉ. उर्वशी नांदल

प्रो. समर सिंह

### तत्कालिक मुद्दों पर होता है खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

### गूगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे प्राथमिकता

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्त्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसुन, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

**समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे : प्रो. समर सिंह**

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पांच बजे....

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

### हकृवि के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

# कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

पांच बजे न्यूज

हिसार। कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुम्बा द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

**तत्कालिक मुद्दों पर होता है खास ध्यान**

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

**गुगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे प्राथमिकता**

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुम्बा द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गुगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरूष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

**समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे : प्रोफेसर समर सिंह**

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वे आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यपकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नभ छोर......

दिनांक 22.9.2020 पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

# सर्वे : फास्ट फूड नहीं, घर में पके भोजन को लोगों ने दी प्राथमिकता

हिसार/22 सितंबर/रिपोर्टर

कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाईन सर्वे में सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है। डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाईन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरूष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसुन, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मद्दगार साबित हो सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यपकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी दिल्ली.....

दिनांक 22.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

# कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

## हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

हिसार, 22 सितम्बर (राज पराशर) : कोरोना संकट से आज सारा विश्व जुझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था। वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डा. संगीता सी सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में डा. उर्वशी नांदल एवं डा. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। डा. उर्वशी नांदल एवं डा. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरूष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या....4.....कॉलम.....1-5.....

**पर्यावरण संरक्षण** एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में इवेंट मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने आयोजित किया इवेंट

# आस्ट्रेलिया से भारत तक पर्यावरण बचाने को साइकिल पर युवा

जागरण संवाददाता, हिसारः विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2016 में प्रदूषण के चलते होने वाली बीमारियों से विश्वभर में करीब 42 लाख लोगों की असामयिक मौत हुई थी। यह आंकड़ा इतना बड़ा है कि सोचने पर ही हैरान कर देता है। लोगों में कार की जगह साइकिलिंग का प्रयोग बढ़े, इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा वर्चुअल साइकिलिंग इवेंट आयोजित किया गया। जिसमें करीब 200 लोगों ने एक साथ साइकिलिंग की। खास बात यह है कि हिसार ही नहीं बल्कि इसमें आस्ट्रेलिया से भी युवाओं ने जुड़कर साइकिलिंग कर प्रदूषण मुक्त धरा का संदेश दिया। इस इवेंट में छोटे बच्चों ने भी अपनी रुचि दिखाई। छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी साइकिल से 5-5 किलोमीटर तक साइकिलिंग कर पर्यावरण के प्रति चिंता जताई।

वर्चुअल साइकिलिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती युवती। ● सौजन्य एचएयू

### चार श्रेणी में आयोजित की गई थी प्रतियोगिता

इस इवेंट को चार श्रेणी में आयोजित किया गया था। जिसमें 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 20 किलोमीटर और 50 किलोमीटर साइकिल चलानी थी। इवेंट में भाग लेने वालों में सबसे अधिक 50 किलोमीटर साइकिल चलाने वाले लोग रहे। खास बात है कि इन सभी को अपना साइकिलिंग का रिकार्ड एक एप में दर्ज करना था, उसके आधार पर ही लोगों को ई-सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में युवा ही नहीं बल्कि एचएयू की कई महिला शिक्षिकाओं ने भी भाग लिया।

### एक किलोग्राम वजन घटाने को 7 हजार कैलोरी होती है बर्न

साइकिलिंग आपके स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छी है। चिकित्सक बताते हैं कि एक किलोग्राम वजन कम करने के लिए 7 हजार कैलोरी बर्न करनी होती है। अगर आप 20 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से साइकिल चलाते हैं तो करीब 563 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। अब आप अंदाजा लगाइए कि एक किलोग्राम वजन घटाने के लिए आपको कितनी साइकिल चलानी होगी। इससे आपका शरीर भी स्वस्थ रहेगा और पर्यावरण को भी संरक्षण मिलेगा।

### 30 साल पुरानी स्मोकिंग की लत छूटी

प्रवीन नारंग बताते हैं कि यूं तो वह बचपन से ही साइकिलिंग करते रहे हैं, मगर दो साल पहले वह गंभीरता से जुड़े। हिसार रोडीज ग्रुप के साथ शामिल होकर उन्होंने सैकड़ो किलोमीटर साइकिलिंग की है। इसके साथ ही इंटरनेशनल साइकिलिंग इवेंट में भी भाग लिया है। इस साइकिलिंग का फायदा यह रहा कि उन्होंने 15 किलोग्राम वजन तो घटाया, साथ ही उनकी 30 साल पुरानी स्मोकिंग की लत भी इससे छूट गई। अब वह दूसरों को भी साइकिलिंग के लिए प्रेरित करते हैं।

> जरूरी नहीं है कि आप साइकिल चलाने के लिए अलग से समय निकालें। आप चाहें तो अपने रोजाना के कामों को पूरा करने के लिए भी साइकिल चला सकते हैं। ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी। हर रोज कुछ मिनट साइकिल चलाकर भी आप फिट रह सकते हैं।
>
> **डा. बिमला ढांडा**, डीन, गृह विज्ञान महाविद्यालय।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 23.9.2020 ...पृष्ठ संख्या.......2.......कॉलम.....1-6.......

# एचएयू ने कार फ्री डे के मौके पर वर्चुअल साइकिलिंग इवेंट ऑर्गेनाइज किया

# जो जहां था वहीं से साइकिलिंग कर भेजा डाटा, 50 किमी तक का पूरा किया टारगेट









सिटी रिपोर्टर • छोटी दूरी के लिए साइकिल का प्रयोग हेल्दी आदत है। साइकिलिंग को एक्सरसाइज के तौर पर लाइफ स्टाइल में शामिल किया जा सकता है। साथ ही साइकिलिंग करके एन्वायरमेंट को गो ग्रीन की तरफ ले जा सकते हैं।

लोगों में साइकिलिंग को लेकर कुछ ऐसी ही अवेयरनेस के लिए एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में कार फ्री डे के मौके पर वर्चुअल साइकिलिंग इवेंट की गई। इस इवेंट की खासियत यह थी कि इसके लिए कहीं पर भी एक साथ लोग इकट्ठे नहीं हुए, पार्टिसिपेंट्स ने अपने घर के आस-पास या जहां उन्हें ठीक लगा वहां साइकिलिंग की और मोबाइल के स्टॉप वॉच के जरिए हर पार्टिसिपेंट ने अपना डाटा भेजा।

## जानिए...साइकिलिंग के लिए दिए गए थे ये तीन टारगेट

साइकिलिंग इवेंट में पार्टिसिपेट करने वाले लोगों को तीन टारगेट दिए गए थे। इसमें 10 किलोमीटर, 20 किलोमीटर और 50 किलोमीटर तक के टारगेट फिक्स किए गए थे। लोगों को अपना टारगेट पूरा करने के बाद साइकिल चलाने का डाटा भेजने थे। इवेंट में पार्टिसिपेशन से पहले रजिस्ट्रेशन जरूरी था।

## रोज के कामों के लिए इस्तेमाल करें साइकिल

प्रतियोगिता महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता व प्रोफेसर किरण सिंह की देखरेख में इवेंट आयोजित की। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि जरूरी नहीं है कि आप साइकिल चलाने के लिए अलग से समय निकालें, आप चाहें तो अपने रोज के कामों को पूरा करने के लिए साइकिल चला सकते हैं, ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी।

## एक्सपर्ट्स की राय.. फिटनेस के लिए आधा घंटे चलाएं साइकिल

एक्सपर्ट्स के अनुसार रोज आधा घंटा साइकिल चलाकर खुद को फिट और फाइन रखा जा सकता है। इससे ब्लड प्रेशर तो संतुलित रहता ही है। साथ ही यह एक एंटी एजिंग व्यायाम भी है। ब्लड सर्कुलेशन सही होने से बोनस भी मजबूत होती है, वहीं इससे दिल के रोगों का खतरा कम होता है।

## 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

आयोजक इंचार्ज प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस इवेंट में एचएयू व अन्य सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी व अन्य लोग ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 23.9.2020..पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-3.....

कोरोना काल • संक्रमण से बचाव को एचएयू का फैसला

# इस बार वर्चुअल किसान मेला होगा

भास्कर न्यूज | हिसार

कोरोना के चलते इस बार सितंबर माह में एचएयू में राष्ट्र स्तरीय किसान मेला अभी तक आयोजित नहीं किया जा सका। एचएयू प्रशासन ने निर्णय लिया है कि कोरोना से बचाव के मद्देनजर इस बार किसानों के लिए वर्चुअल किसान मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में पहले की तरह हरियाणा के अलावा, पंजाब, यूपी, राजस्थान, असम समेत विभिन्न प्रदेशों के किसान भागीदारी कर सकेंगे। जल्द ही मेले में किसानों की भागीदारी कराने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मंगलवार को एचएयू प्रशासन और सामुदायिक रेडियो स्टेशन के अधिकारियों के बीच वर्चुअल मेले को लेकर काफी देर तक गहन मंथन किया गया।

## मेले में किसानों को यह दी जाएगी जानकारी

किसान मेले में किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज, जैव उर्वरक तथा फलदार पौधों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही किसानों को विवि के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ मौसम की फसलें तथा औषधीय फसलें, वानिकी, फलों और सब्जियों की अधिक पैदावार लेने के लिए उपयुक्त टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन दिखाए जाएंगे। उम्दा फसल उत्पादन किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाइन फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

## मेले के लिए कॉल कर रहे थे किसान

इस बार मेला अभी तक आयोजित नहीं किया जा सका था। जिसके कारण यूपी, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली के किसान लगातार एचएयू के विभागीय अधिकारियों के पास प्रतिदिन कॉल कर रहे थे।

## तारीख तय करेंगे : वीसी

*कोरोना महामारी के कारण इस बार यूनिवर्सिटी में राष्ट्र स्तरीय किसान मेला कराना संभव नहीं था। विवि प्रशासन ने सर्वसम्मति से वर्चुअल किसान मेला आयोजित करने का निर्णय लिया है। जजल्द ही मेले की तारीख भी निर्धारित कर दी जाएगी।''* – **प्रोफेसर समर सिंह,** कुलपति, एचएयू, हिसार।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 2:3

# एचएयू में शाम साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कार्यालय 22 सितंबर से सायं साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि 22 सितंबर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम साढ़े 4 बजे तक रहेगा। यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा, जो प्रवेश के लिए सुबह 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर साढ़े 12 बजे से दोपहर 1 बजकर 15 मिनट तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सायंकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय साढ़े 4 से 4 बजकर 45 मिनट तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा।

### दो शिफ्टों में आएंगे कर्मचारी

कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप ए व बी के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सायंकाल साढ़े 4 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप सी व डी के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा। जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सायंकाल साढ़े 4 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सायंकाल 4 बजे से सायंकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय सुबह 9 बजे से सायंकाल साढ़े 4 बजे तक होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर.....

दिनांक 23.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2.6.....

# एचएयू में सुबह नौ से शाम साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

- विश्वविद्यालय के ग्रुप ए और बी के कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

भास्कर न्यूज | हिसार

## सी व डी ग्रेड के कर्मचारी पहले शिफ्ट में 9 से 12:30 बजे व दूसरे शिफ्ट में 1 से शाम 4:30 आएंगे ऑफिस

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से शाम साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विवि में कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिन से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया है। उन्होंने बताया कि अब विवि में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल एचएयू के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए सुबह 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 :15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार शाम के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा।

कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विवि के समय सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगी। विवि का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। विवि के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय सुबह 9 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगा।

**▪ 6 फीट की दूरी अनिवार्यः** कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो।

साथ ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देना अनिवार्य होगा। अगर कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी।

## ▪ लुवास में कोरोना से बचाव को पहलः भीड़ नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सालय में लगाए 21 सीसीटीवी

हिसार| लुवास पशु चिकित्सालय में आने वाले लोगों और स्टाफ को कोरोना से बचाने के लिए लुवास प्रशासन ने अहम निर्णय लिया है। चिकित्सालय में आने वाले हर पशुपालक और अन्य लोगों को जहां बचाव के लिए मास्क और सेनिटाइजर का वितरण किया जा रहा है। वहीं डिस्टेंस बनाने के उद्देश्य से पशु चिकित्सालय के विभिन्न विभाग में 21 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिन्हें अधिकारियों के मोबाइल और लैपटॉप से जोड़ा गया है। जिस भी विभाग में सीसीटीवी के माध्यम से भीड़ अधिक दिखाई देती है, विभागीय अधिकारी कॉल या मैसेज भेजकर संबंधित अधिकारी और कर्मचारी को भीड़ नहीं जुटाने की अपील करते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 23.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-2.....

### अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कार्यालय अब शाम साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। विवि के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि पहले की तरफ अब भी प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। सिर्फ कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार सुबह आठ बजकर 45 मिनट से नौ बजकर 15 मिनट और दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 और सांयकाल 4:30 से 4:45 बजे तक खुलेगा। सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक आना होगा। मगर 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा। पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर एक बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। विवि के कैंपस अस्पताल के लिए पहली शिफ्ट सुबह आठ से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट शाम चार से पांच बजे तक होगी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या.....12.....कॉलम.....8.....

# अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है।

- ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 :15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप ए व बी के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप सी व डी के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी....

दिनांक 23.9.2020....पृष्ठ संख्या....2....कॉलम....5-6....

# कोरोना महामारी के चलते हकृवि ने किए कई बदलाव, कार्यालयों का समय बदला

## ग्रुप-ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप-सी व डी के लिए बनेंगी 2 शिफ्ट

हिसार, 22 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय अब सायं साढ़े 4 बजे तक खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि कार्यालयों का समय 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर 4 भी खुलेगा, जो प्रवेश के लिए प्रात: 8.45 से 9.15 बजे तक खुला रहेगा। दोपहर 12.30 से 1.15 बजे तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा, लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को 2 शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी, जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के लिए पहली शिफ्ट प्रात : 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी शिफ्ट सांयकाल 4 से 5 बजे तक होगी। कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की 6 फुट दूरी अनिवार्य हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नित्य शक्ति टाइम्स........

दिनांक 22.9.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

# अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

## ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

**नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढे चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रात: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाएगा और एम.एच.ए. के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी।

### दो शिफ्टों में आएंगे कर्मचारी

कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रात: 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सांयकाल 4 बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय प्रात: 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घंटे का लंच भी होगा।

### 6 फीट की दूरी अनिवार्य

कर्मचारियों को बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। साथ ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देना अनिवार्य होगा। अगर कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पाठक पक्ष .....

दिनांक 22.9.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

# अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

**पाठकपक्ष न्यूज**

हिसार, 22 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रात: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 :15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...... पंजाब केसरी दिल्ली ......

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या...... — ......कॉलम...... — ......

# अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार, 22 सितम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सुबह 9 बजे से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8:45 मिनट से 9:15 बजे तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाएगा और एमएचए के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी।

## ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

**दो शिफ्टों में आएंगे कर्मचारी** : कुलसचिव ने बताया कि ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रात : 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सायंकाल 4 बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगी।

**6 फीट की दूरी अनिवार्य** : कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। साथ ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देना अनिवार्य होगा। अगर कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हिसार टुडे.....

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

# एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

टुडे न्यूज | हिसार 23

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 22.9.2020 पृष्ठ संख्या...... — ......कॉलम...... — ......

# हकृवि के कार्यालयों का समय अब प्रात: 9 से सायं 4:30 तक

हिसार/22 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय आज से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि आज से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रात: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1 :15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सायंकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रात: 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सायंकाल 4 बजे से सायंकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय प्रात : 9 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घंटे का लंच भी होगा। कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। साथ ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देना अनिवार्य होगा। अगर कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 22.9.2020...पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

# अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 :15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा।

## ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रात : 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सांयकाल 4 बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय प्रात : 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घंटे का लंच भी होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हैलो हिसार........

दिनांक 22.9.2020...पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

# अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

## ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

हैलो हिसार न्यूज

**हिसार:** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 :15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाएगा और एम.एच.ए. के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। दो शिफ्टों में आएंगे कर्मचारी कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 22.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

# अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

**पल पल न्यूज: हिसार, 22 सितम्बर।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4.30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाएगा और एम.एच.ए. के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सांयकाल 4 बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय प्रातः 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घंटे का लंच भी होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक 23...9..2020..पृष्ठ संख्या...1..........कॉलम....2-3.......

# लुवास में नौ प्रोफेसर सहित 18 कोरोना पॉजिटिव, पांच दिन के लिए एचएयू बंद

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। शहर के विश्वविद्यालयों में कोरोना रफ्तार पकड़ रहा है। लुवास में अब तक नौ प्रोफेसर सहित कुल 18 लोग पॉजिटिव हैं।

वहीं, एचएयू में अब तक 20 से अधिक लोग कोरोना पॉजिटिव आ चुके हैं। लगातार बन रही कोरोना चेन के कारण मंगलवार को एचएयू ने वीरवार और शुक्रवार को छुट्टी की घोषणा कर दी। ऐसे में अब एचएयू पांच दिनों के लिए बंद रहेगी। बुधवार को शहीदी दिवस है और इसके बाद अंतिम शनिवार व फिर रविवार का अवकाश रहेगा। इन दौरान विवि को पूरी सैनिटाइज करवाया जाएगा।

लुवास के कुलपति प्रो. गुरदियाल सिंह ने कहा कि जिन लोगों में भी लक्षण हैं, उन्हें टेस्ट करवाने को कहा गया है। सिर्फ जरूरी कार्य करने के लिए ही लोगों को विवि में बुलाया जाएगा और पशु अस्पताल व फार्म सहित सभी जरूरी सेवाएं सुचारु रहेंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक 24.9.2020 पृष्ठ संख्या ....2.... कॉलम ....7-8....

# हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त एवं सार्थक माध्यम : प्रो. राजवीर

**हिंदी पखवाड़ा के तहत 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति**

हिसार, 23 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में प्रो. राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनन्द ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया।

प्रो. सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमे हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय गर्व करना चाहिए। हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सगुण व निर्गुण भक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां बांधे रखा। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों व शोधकर्त्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुत्फ उठाया। मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया। इस दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सैनिटाजेशन का विशेष ध्यान रखा गया।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं प्रो. कृष्णा हुड्डा व अन्य।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 24.9.2020....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....4-5.....

### 'हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम'

**हकृवि में हिंदी पखवाड़ा के तहत ऑनलाइन हुआ हिंदी स्वर सरिता कार्यक्रम**

हिसार(ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिंदी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में हिंदी स्वर सरिता कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता और उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी भाषा भावों के उद्गार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोहर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनंद ने कहा कि हमें हिंदी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 25.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 7-8

# हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम : प्रो. सिंह

**समारोह**

- एचएयू में हिंदी पखवाड़ा के तहत हिन्दी स्वर सरिता कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में हिन्दी स्वर सरिता कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में प्रो राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उद्गार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोहर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। विभागाध्यक्ष डा. सुषमा आनंद ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रो. सुषमा आनंद ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमें हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने के बजाय अपनाना चाहिए।

### सगुण व निर्गुण भक्ति पदों ने मोह लिया मन

हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सगुण व निर्गुण भक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. कृष्णा हुड्डा, डा. महेन्द्र कुमार व डा. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां बांधे रखा। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, विज्ञानियों व शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. अपर्णा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 24.9.2020 पृष्ठ संख्या....2....कॉलम....4-6....

एचएयू में हिंदी पखवाड़ा के तहत **'हिन्दी स्वर सरिता'** कार्यक्रम आयोजित

# प्रो. राजवीर सिंह ने कहा- हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम

**सिटी रिपोर्टर** • एचएयू में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग ने हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की।

यह कार्यक्रम एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। प्रो. राजवीर सिंह ने बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनंद ने विवि के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया।

## सगुण व निर्गुण भक्ति पदों ने मोह लिया मन

हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सगुण व निर्गुण भक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां को बांधे रखा। विवि के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया। इस दौरान सामाजिक दूरी का ध्यान रखा गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नभ: छोर.....

दिनांक 23.9.2020...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....3.....

# हिंदी भाषा राष्ट्रीय धरोहर : सिंह

हिसार/23 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोहर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमे हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय अपनाना चाहिए। सगुण व निर्गुण भक्ति पदों ने मोह लिया मन हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सगुण व निर्गुण भक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां को बांधे रखा। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पांच बजे......

दिनांक 23-9-2020......पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

# हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त एवं सार्थक माध्यम : प्रो. राजवीर सिंह

## एचएयू में हिंदी पखवाड़ा के तहत 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए प्रो. राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनन्द ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रोफेसर सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमे हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय अपनाना चाहिए।

**सगुण व निर्गुण भक्ति पदों ने मोह लिया मन**

हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सगुण व निर्गुण भक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां को बांधे रखा। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया। इस दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाजनेशन का विशेष ध्यान रखा गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 23.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....5.....

# एचएयू में हिंदी पखवाड़ा के तहत 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति

*हिसार। कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं प्रोफेसर कृष्णा हुड्डा व अन्य।*

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनन्द ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रोफेसर सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमें हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय अपनाना चाहिए। प्रोफेसर कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समा को बांधे रखा। इस दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाजनेशन का विशेष ध्यान रखा गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......समर घोष......

दिनांक 23.9.202- पृष्ठ संख्या...... - ......कॉलम...... - ......

# हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त एवं सार्थक माध्यमः प्रो. राजवीर सिंह

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिंदी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में प्रो. राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी भाषा भावों के उद्‌गार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनंद ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रोफेसर सुषमा आनंद ने कहा कि हमें हिंदी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमें हिंदी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए।

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
### लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नित्य शक्ति टाइम्स......

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या...—... कॉलम...—...

# हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम : प्रो. राजवीर सिंह

## एचएयू में हिंदी पखवाड़ा के तहत 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति



**नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए प्रोफेसर राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है।

यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर् है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनन्द ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रोफेसर सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमे हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय अपनाना चाहिए।

### सगुण व निर्गुण भक्ति पदों ने मोह लिया मन

हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सगुण व निर्गुण भक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां को बांधे रखा।

विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया। इस दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 24.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6.8

# कोरोना संक्रमित मिलने के बाद एचएयू परिसर को किया सेनिटाइज, दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू परिसर को बुधवार को सेनिटाइज कराया गया। साथ ही स्टाफ के लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई। कोरोना महामारी के चलते विवि में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर किया गया। इसके लिए विवि के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में तीन सदस्यीय एक कमेटी का गठन किया गया।

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनिटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव ने बताया कि एचएयू परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनिटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इस कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया, ताकि कोरोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए एचएयू के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया।

एचएयू परिसर को सेनेटाइज करते कर्मचारी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम............पंजाब केसरी............

दिनांक 24.9.2020....पृष्ठ संख्या.....3..........कॉलम.....4-8.......

## एच.ए.यू. परिसर को किया सैनिटाइज, 2 दिन बाद फिर चलेगा अभियान




विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज करता कर्मचारी।

**हिसार (ब्यूरो):** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सैनिटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सैनिटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एच.ए.यू. परिसर को सैनिटाइज करवाने का फैसला लिया है।

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सैनिटाइज करवाने का फैसला लिया गया।

इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को 2 दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि कोरोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सैनिटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में 2 दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सैनिटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल से मैडीकल ऑफिसर डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सैनिटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ट्रैक्टर स्प्रे पंप व हस्तचालित मशीनों से भी सैनिटाइज कराया गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समर उजाला.....

दिनांक 24.9.2020....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-2.....

### हकृवि परिसर को किया सैनिटाइज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सैनिटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सैनिटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. बीआर कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कुल सचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर को सैनिटाइज करवाने का फैसला लिया है। सैनिटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सैनिटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय आदि को सैनिटाइज करवाया गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..........................................

दिनांक 24.9.2020 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 7-8

# एचएयू परिसर को किया जा रहा सेनिटाइज

■ दो दिन के बाद फिर से चलेगा अभियान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कोरोना महामारी के चलते पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समरसिंह के दिशा-निर्देश पर किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस तथा विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि विवि परिसर में रिहायशी क्षेत्र में कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विवि प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया।



हिसार। हकृवि परिसर को सेनिटाइज करते कर्मचारी।

इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोनो की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नभाटा.....

दिनांक 23.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

# हकृवि परिसर को किया सैनेटाइज

हिसार/23 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को आज सैनेटाइज कराया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कुलसचिव ने बताया कि प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सैनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की बीते कल हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सैनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि कोरोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सैनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सैनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ट्रैक्टर स्प्रे पंप व हस्तचालित मशीनों से भी सैनेटाइज कराया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पाँच बजे....

दिनांक 24-9-2020 पृष्ठ संख्या....5....कॉलम....—....

# एचएयू परिसर को किया सेनेटाइज, दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान



पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज्ज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है।

विश्वविद्यालय परिसर में है रिहायशी क्षेत्र, जिसके चलते लिया फैसला

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोनो की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, कैम्पस के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ट्रैक्टर स्प्रे पंप व हस्तचालित मशीनों से भी सेनेटाइज कराया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी दिल्ली

दिनांक 25.9.2020 पृष्ठ संख्या — कॉलम —

# हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय पांच दिन रहेंगे बंद

हिसार : विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज्ज करते कर्मचारी। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 23 सितम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार

## विश्वविद्यालय में लगातार बढ़ रहे हैं कोरोना केस

रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए, विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ट्रैक्टर से पंप व हस्तचालित मशीनों से भी सेनेटाइज कराया गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

# कृषि विवि के सभी कार्यालय रविवार तक बंद

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव ने बताया कि

विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। शनिवार व रविवार को छुट्टी है। इस लिये अब सभी कार्यालय सोमवार को ही खुलेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डा. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 23.9.2020....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

# एचएयू परिसर को किया सेनेटाइज दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान

**नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के

परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोनो की चेन को तोडने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 25.9.2020...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

# एचएयू परिसर को किया सेनेटाइज, दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है।

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी हैं जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया ताकि करोनो की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 24.9.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-5.....

**सूरत-ए-हाल** गिरि सेंटर, एग्रीकल्चर कालेज, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कालेज के पास उगीं हैं काफी झाड़ियां

# लॉकडाउन के बाद बदली एचएयू की तस्वीर, झाड़ियां उगीं

जागरण संवाददाता, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दाखिल होते ही कभी ऐसा लगता था, जैसे किसी विदेशी विश्वविद्यालय में आ गए हों। मगर इन दिनों तस्वीर कुछ पलट गई है।

लॉकडाउन के बाद विश्व-विद्यालय खुला तो कई स्थानों पर लंबी-लंबी झाड़ियां उग गई हैं। झाड़ियां भी ऐसे स्थान पर उगी हैं जो स्थान एचएयू के सम्मान के लिए जाने जाते हैं। इसमें गिरि सेंटर, एग्रीकल्चर कालेज, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कालेज आदि शामिल हैं। इसके साथ ही लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम के पास भी कुछ इसी प्रकार का नजारा है।

इन दोनों स्थितियों को देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि लैंडस्केप के काम को कराने के लिए दोनों की विश्वविद्यालयों को अभी कई दिन लगने वाले हैं।

विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में उगी घास। • जागरण

विश्वविद्यालय के अरावली हॉस्टल के पास उगी घास। • जागरण

### लॉकडाउन के बाद मिशन मोड में चलता काम तो चमकता एचएयू

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने कुछ समय पहले स्वच्छ कैंपस रखने वाले शिक्षण संस्थानों के बीच एक प्रतियोगिता कराई थी। जिसमें एचएयू के हिसार कैंपस को सर्वाधिक अंक मिले थे। इसके बावजूद किसी तकनीकि कमी के कारण विश्वविद्यालय को देश में सबसे साफ कैंपस का अवार्ड नहीं मिल सका था। अब कोविड-19 के बाद का एचएयू और पहले की एचएयू में काफी फर्क है। अगर पिछले एक दो महीनों में अभियान चलाकर कैंपस में लैंडस्केप में काम होता तो हालात अच्छे होते।

### अब धीरे-धीरे बदल रही है व्यवस्था

हाल ही में कुलपति प्रो. समर सिंह ने लैंडस्केप यूनिट की जिम्मेदारी डा. पवन को दी है। जिसके बाद कुछ काम फिर से शुरू हो चुका है। मगर विश्वविद्यालय को पूरी तरह से पुराने कैंपस में बदलने में अभी कितना समय लगेगा इसको लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। कैंपस की लैंडस्केप की देखभाल के लिए एक अलग ही विभाग है। जिसमें बाकायदा अधिकारियों व कर्मचारियों को जिम्मेदारी भी दी जाती है। जो कैंपस को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाने के लिए काम करते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अमर उजाला .....

दिनांक 24.9.2020....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....4-6.....

# एचएयू में 11 हजार विद्यार्थियों ने किया आवेदन, कॉलेजों में आज अंतिम दिन

## गुजवि : बीएससी में आज और कल में भरनी होगी दाखिला फीस

अमर उजाला ब्यूरो

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया बुधवार को पूरी हो गई। इस कोर्स के लिए कुल साढ़े 11 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। अब दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

इसके लिए जिले भर में परीक्षा केंद्र बनाए जाने की योजना है। दूसरी तरफ, जिले के कॉलेजों में आवेदन का वीरवार को अंतिम दिन है। विद्यार्थी वीरवार रात 12 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद पांच दिनों तक यानी 25 से 30 सितंबर तक दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया चलेगी। पहली मेरिट लिस्ट एक अक्तूबर को और दूसरी 8 अक्तूबर को जारी की जाएगी। इसके अलावा आईटीआई संस्थानों में दाखिले के अंतिम तिथि 28 सितंबर रखी गई है।

***गुजवि में बीएससी में दाखिले के लिए 25 तक भरें फीस*** : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने बीएससी के सभी कोर्सों के लिए मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। यह मेरिट लिस्ट मंगलवार को देर रात जारी की गई। जिन विद्यार्थियों ने पहली मेरिट लिस्ट में स्थान बनाया है, उन्हें 25 सितंबर तक दाखिला फीस भरनी होगी। ऐसे में विद्यार्थियों के पास फीस भरने के लिए दो दिन बचे हैं। विवि प्रशासन के अनुसार, विद्यार्थियों द्वारा दाखिला न लेने पर खाली बची सीटों का विवरण 26 सितंबर को जारी किया जा सकता है।

### लुवास में पीजी की परीक्षाएं एक अक्तूबर से

लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कोर्सों की सेमेस्टर परीक्षाएं एक अक्तूबर से शुरू होंगी और 12 अक्तूबर तक चलेंगी। एमवीएससी और पीएचडी के विभिन्न कोर्सों के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन परीक्षाएं देंगे। परीक्षा के दौरान प्रत्येक चार विद्यार्थियों पर एक शिक्षक नजर रखेगा और निगरानी के लिए कड़े प्रबंध किए जाएंगे। दूसरी तरफ, विवि में डिप्लोमा और स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी।